

विशेष रिपोर्ट सितंबर 2022

# काँटन, अरंडी और ग्वारसीड



## अहम कारक

- कपास की नयी फसल की आवक
- कपास के आयात-निर्यात के संबंध में सरकार की नीति
- आगामी सीजन में अधिक उत्पादन अनुमान
- भारत से धागों की निर्यात मांग

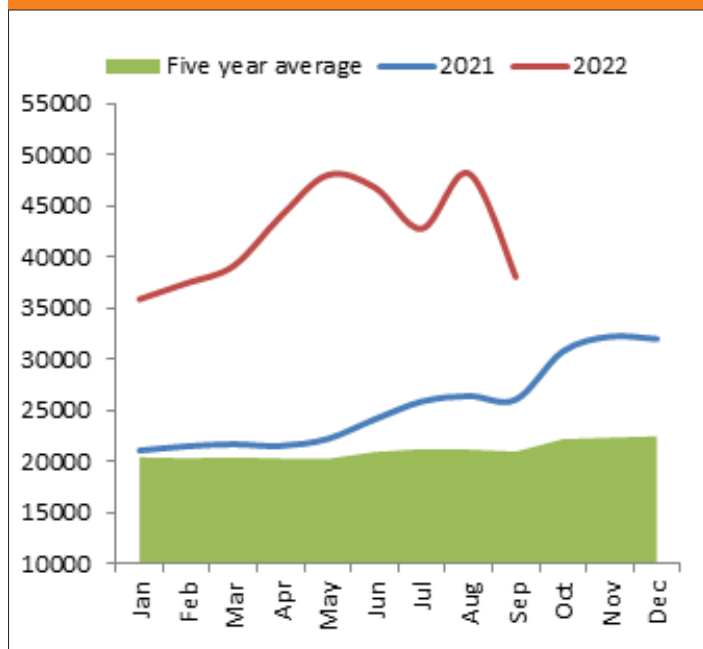
## फंडामेंटल

आने वाले सीजन में बंपर फसल की संभावना से अगस्त-22 के दौरान कपास की कीमतों में तेज गिरावट देखी गई। अगस्त-22 में मध्य भारत में अनुकूल मौसम की स्थिति के कारण बेहतर फसल की संभावनाओं ने कटाई मिलों को भारी खरीद से दूर रखा। भारत में कपास की फसल अच्छी तरह से विकसित हो रही है, और आगामी सीजन के लिए उत्पादन 18%-20% बढ़ने की संभावना है। इंडियन कॉटन एसोसिएशन लिमिटेड ने राजस्थान सहित उत्तर भारत में कपास का उत्पादन 170 किलोग्राम के 58.30 लाख गांठ होने का अनुमान लगाया है। राजस्थान के कुछ हिस्सों में नई फसल की आवक शुरू हो गई है। इंडियन कॉटन एसोसिएशन लिमिटेड के अनुमान के मुताबिक, हरियाणा में कपास का उत्पादन 19.49 लाख गांठ तक पहुंच सकता है, जो पिछले सीजन में 15.11 लाख गांठ था। पंजाब में उत्पादन पिछले सीजन के 7.21 लाख गांठ से घटकर 6.89 लाख गांठ रहने की संभावना है। बेहतर उपज की संभावना से मध्य भारत में भी उत्पादन बढ़ने की संभावना है। मौजूदा हालात को देखते हुए भारत में कपास की फसल 370 लाख गांठ तक पहुंच सकती है। इसके अलावा कटाई मिलों की सुस्त खरीदारी से कीमतों पर दबाव पड़ने की संभावना है। बुनाई उद्योग से औसत खरीद के कारण उत्तर भारत के धागा बाजार में कीमतों में स्थिरता देखी गई। उच्च कीमतों और कम उपलब्धता के कारण वर्ष 2022 में जून-22 तक भारत से कपास निर्यात में साल-दर-साल 52% की गिरावट दर्ज की गई है।

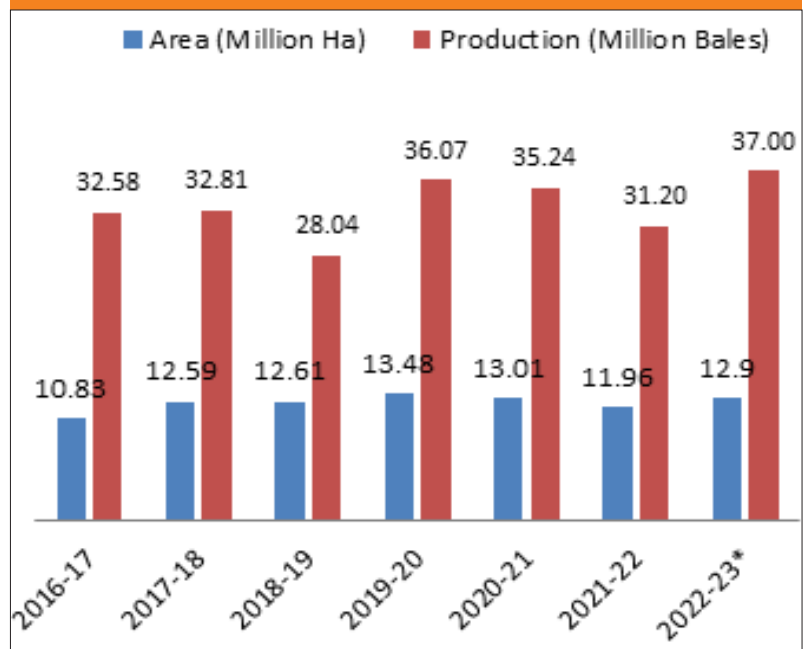
## आउटलुक

आगे चलकर मुख्य फोकस फसल की आवक गति और गुणवत्ता पर होगा। सितंबर-22 में बारिश से फसल की उपज पर असर पड़ सकता है। सितंबर-22 में मौसम फसल के अनुकूल दिख रहा है जो कीमतों पर अधिक दबाव डाल सकता है। भारत के उत्तरी भाग में आवक पहले ही शुरू हो चुकी है और भारत के मध्य भाग में अक्टूबर में शुरू होने की संभावना है। एमसीएक्स कॉटन ( अक्टूबर ) की कीमतों के निकट अवधि में 41800 के रेजिस्टेंस के साथ 35500 के सपोर्ट स्तर तक गिरावट की उम्मीद है।

### कॉटन की कीमतें ( ₹/बेल में )



### भारत कपास का उत्पादन क्षेत्र और उत्पादन



स्रोत : रॉयटर एवं कृषि मंत्रालय

# अरंडी (कैस्टरसीड)

## अहम कारक

- भौतिक बाजार में कम आपूर्ति
- स्टॉक की सीमित उपलब्धता
- अरंडी के तेल का सुस्त निर्यात
- अधिक रकबा
- अरंडी का स्टॉक और उत्पादन
- अरंडी की आवक

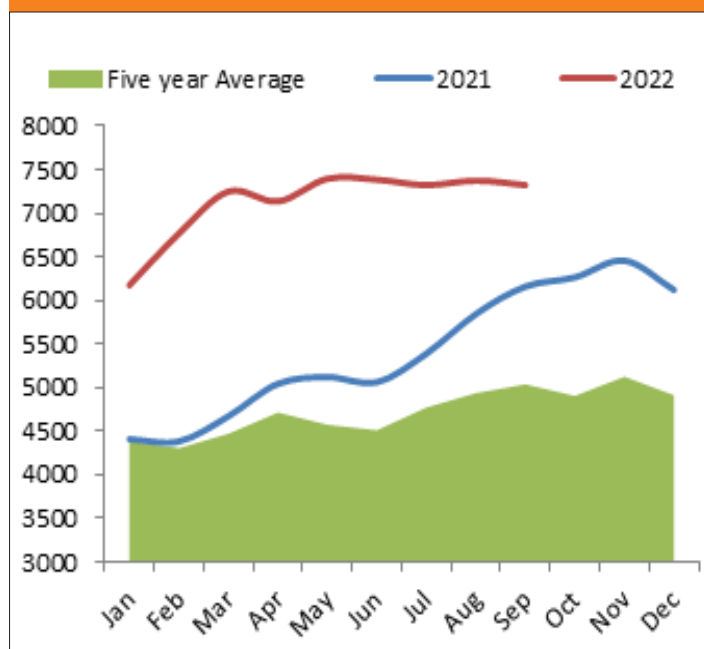
## फंडामेंटल

भौतिक बाजार में आपूर्ति में कमी को देखते हुए अगस्त-22 में अरंडी वायदा में साइडवेज कारोबार हुआ। स्टॉक की सीमित उपलब्धता और अधिक वर्षा के कारण फसल के नुकसान की आशंका के कारण अगस्त-22 के अधिकांश कारोबार में कीमतों में तेजी बनी रही। 7630 का उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद, एनसीडीईएक्स अरंडी (सितंबर) वायदा कमजोर मांग के कारण फिसल गया और माह के अंत में 7404 पर बंद हुआ। आगामी सीजन के लिए उत्पादन अनुमान में सुधार के मद्देनजर कीमतें अब स्थिर होने लगी हैं। सरकारी आंकड़ों से पता चला है कि अरंडी के रकबे में साल-दर-साल 38% की वृद्धि हुई है, जो सितंबर-22 के पहले सप्ताह तक 7.28 लाख हेक्टेयर दर्ज की गई है। अरंडी के तहत अधिक रकबे और अच्छी फसल प्रगति की रिपोर्ट के परिणामस्वरूप वर्ष 2022-23 में बंपर उत्पादन होने की संभावना है। अरंडी के तेल के सुस्त निर्यात का भी बाजार के सेंटीमेंट पर असर पड़ा। चीन की अर्थव्यवस्था में मंदी और ईंधन की ऊंची कीमतों ने भारत से अरंडी के तेल की चीनी खरीद को कम कर दिया है। सबसे बड़ा आयातक होने के नाते चीन ने जनवरी 22-जून 22 के दौरान केवल 1.66 लाख टन अरंडी का तेल आयात किया है, जबकि पिछले वर्ष के 2.04 लाख टन की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष 19% कम है। जनवरी 22-अगस्त 22 के दौरान कुल आवक वर्ष-दर-वर्ष 46 प्रतिशत अधिक रही है, जो 5.52 लाख टन दर्ज की गई थी, लेकिन अब समय के साथ आवक कम होने लगी है। पिछले वर्ष के 38.9 हजार टन की तुलना में भारत भर की प्रमुख एपीएमसी मंडियों में अगस्त 22 में लगभग 18 हजार टन अरंडी की आवक हुई है।

## आउटलुक

आगे चलकर, अरंडी की कीमतों को निकट अवधि में 7000 के स्तर के पास सपोर्ट मिलने की संभावना है और सितंबर 22 के अंत तक नई फसल शुरू होने के बाद इसमें अधिक गिरावट आ सकती है। लेकिन पाइपलाइन में कम स्टॉक से कीमतों में बड़ी गिरावट को रोक लगेगी और इस महीने में 7600-7000 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं।

### कैस्टरसीड की कीमतें (रु/क्विं. में)



स्रोत : रॉयटर एंव डीजीएफटी

### अरंडी तेल का निर्यात (1000 मी. टन में)



## अहम कारक

- प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर सुस्त मांग
- बंपर फसल आउटलुक
- निर्यात मांग में सुधार होने लगा है
- शुष्क मौसम की स्थिति
- ग्वारसीड का स्टॉक

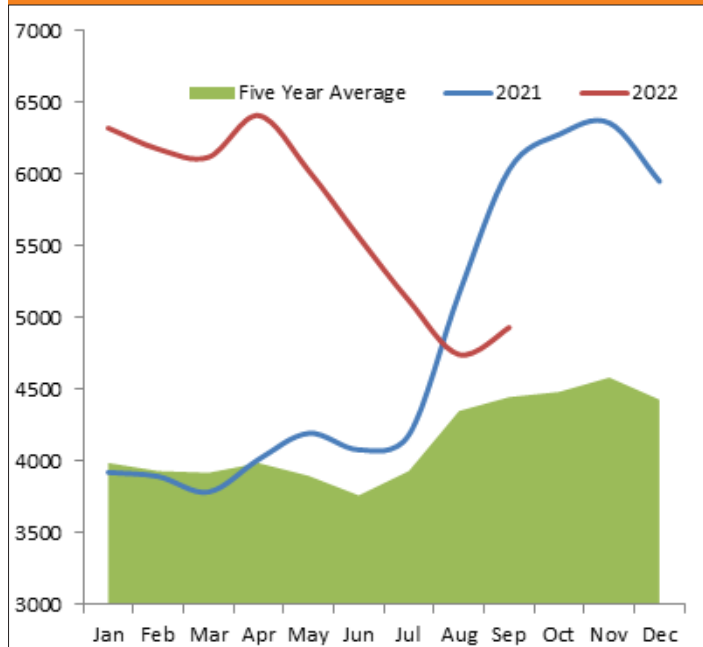
## फंडामेंटल

प्रमुख व्यापारिक केंद्रों में सुस्त मांग के कारण अगस्त-22 में ग्वारसीड (सितंबर) वायदा की कीमतों में गिरावट हुई। राजस्थान में बंपर फसल अनुमान, जिसने मिल मालिकों को थोक खरीद से दूर रखा, से भी ग्वार की कीमतों में गिरावट हुई। अगस्त-22 के अंत तक ग्वारसीड की कीमतें माह-दर-माह 4% घटकर 4724 रह गईं। राजस्थान में ग्वारसीड के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण वर्ष 2022-23 में कुल उत्पादन अधिक होने का अनुमान है। राजस्थान में वर्ष 2022 के दौरान पिछले वर्ष के 20.48 लाख हेक्टेयर की तुलना में लगभग 30.79 लाख हेक्टेयर में ग्वार की बुआई हुई है। आगे बढ़ते हुए, सितंबर-22 के दौरान चल रही फसल की प्रगति पर मुख्य ध्यान दिया जाएगा। अत्यधिक शुष्क मौसम के कारण राजस्थान में फसल की प्रगति को लेकर कुछ चिंताएं हैं। राजस्थान में लंबे समय तक सूखे मौसम फसल के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है जिससे उपज में गिरावट आ सकती है। आईएमडी ने अनुमान लगाया है कि अगले सप्ताह मौसम की स्थिति शुष्क रहने की संभावना है जिससे ग्वार किसानों में चिंता बढ़ जाएगी। इसके अलावा, ग्वार की फसल में अतिवृद्धि भी उपज को पहले की तुलना में कम रखने वाली है, जिससे फसल में देरी होगी। ग्वारगम की निर्यात मांग में बढ़ोतरी होना शुरू हो गया है क्योंकि भारत ने पिछले वर्ष के 18 हजार टन की तुलना में जून 22 में लगभग 24.5 हजार ग्वारगम का निर्यात किया है। जनवरी 22-जून 22 के दौरान पिछले वर्ष के 105.9 हजार टन के मुकाबले लगभग 125.3 हजार टन ग्वारगम का निर्यात किया गया है।

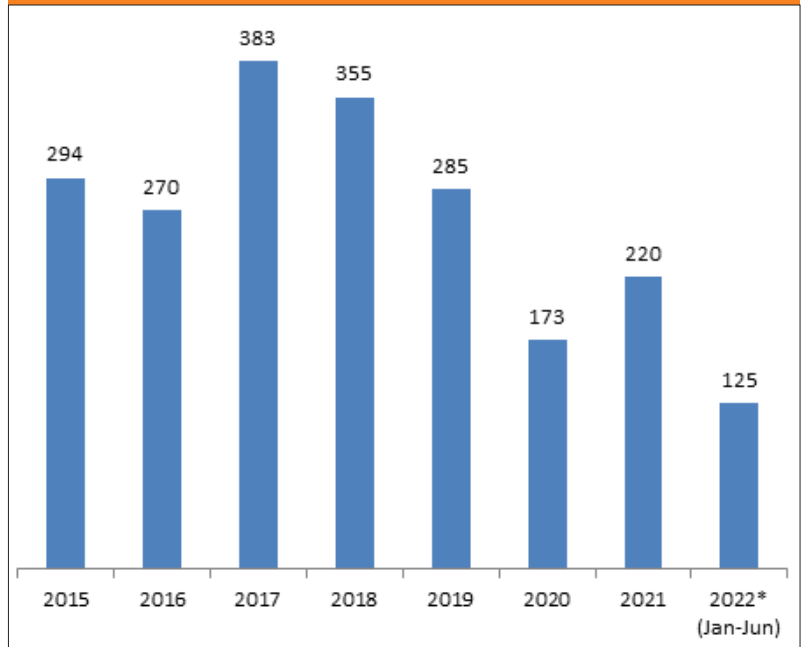
## आउटलुक

राजस्थान में अत्यधिक शुष्क मौसम की स्थिति से उपज के नुकसान को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण निकट भविष्य में ग्वारसीड की कीमतों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। लेकिन आगामी सीजन के लिए अधिक उत्पादन आउटलुक के कारण बढ़त सीमित रह सकती है। निकट भविष्य में सपोर्ट 4740 पर और रेजिस्टेंस 5400 पर रह सकता है इसी तरह ग्वारगम 9000 के सपोर्ट के साथ 11000 तक जा सकता है

ग्वारसीड की कीमतें (रु./क्विं. में)



ग्वारगम का निर्यात (1000 मी. टन में)



स्रोत : रॉयटर एंव डीजीएफटी

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- [www.smctradeonline.com](http://www.smctradeonline.com)



**Corporate Office:**  
11/6B, Shanti Chamber,  
Pusa Road, New Delhi - 110005  
Tel: +91-11-30111000  
[www.smcindiaonline.com](http://www.smcindiaonline.com)

**Mumbai Office:**  
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402, 4th Floor,  
Graham Firth Steel Compound, Off Western  
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon  
(East) Mumbai - 400063  
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

**Kolkata Office:**  
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,  
5th Floor, Kolkata-700001  
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000  
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाओं और संबंधित सेवाओं करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई (मेट्रोपोलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमिट्टी नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएस स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को सदस्य है। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मंचेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटीज लिमिटेड सेबी (रिजर्व एनॉलिसट) रेगुलेशन 2014 के तहत रिजर्व एनॉलिसट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिन्डिकेटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निषेधित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिजर्व एनॉलिसटों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिजर्व एनॉलिसट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एल्टू द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय हैं।

**दिसक्लेमर:** यह रिजर्व रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्ता को व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सफ्टवेयर एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विरुद्ध सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उदात्त गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉपरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉर्पोरेट या सलाह की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने धिक्के का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉपरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकार में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विचार हो सकता है। सभी विचारों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।